

गरिमा परियोजना के तहत अंतर समूह खेलकूद प्रतियोगिता

कबड्डी में खैराही और खो-खो में कुसुम्हा विजयी

सहूलियत

गोविन्दपुर | हिन्दुस्तान संवाद

बनवासी सेवा आश्रम गोविन्दपुर के तत्त्वावधान में शनिवार को म्योरपुर ब्लॉक के कुसुम्हा गांव स्थित पंचायत भवन परिसर में किशोरियों के एक दिवसीय अंतर समूह खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कबड्डी में खैराही और खो-खो में कुसुम्हा के खिलाड़ियों ने बारी मारी।

गरिमा परियोजना की तरफ से आयोजित प्रतियोगिता में पहले कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कुसुम्हा और खैराही के बीच हुए पहले मुकाबले में कुसुम्हा ने 12-6 से पहले सेट में जीत दर्ज की। इसके बाद दूसरे सेट में खैराही ने 10-08 से जीत हासिल कर बराबरी कर ली।

तीसरे और निर्णायक सेट में खैराही के प्रतिभागियों ने 13-05 से विजय श्री हासिल किया। इसी तरह खो-खो प्रतियोगिता में शुरू से ही कुसुम्हा के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। समापन



म्योरपुर ब्लॉक के कुसुम्हा पंचायत भवन परिसर में गरिमा के तहत आयोजित अन्तर समूह खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। • हिन्दुस्तान

अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को बनवासी सेवा आश्रम की मुखिया शुभा प्रेम ने पुरस्कृत किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान ज्वाला प्रसाद और संदीप मौर्या ने किशोरियों के रहन-सहन, सफाई की चर्चा की और कहा कि नेतृत्वकर्ता के अन्दर उत्साह, के साथ आत्मविश्वास की जरूरत होती है। इसी

तरह हरहोरी गांव में भी गरिमा परियोजना की तरफ से कबड्डी, खो-खो, मछली पकड़, कितने भाई कितने ऐसे कैसे, दादी मां की खेती आदि खेल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देवनाथ सिंह, सविता, चांद तारा, प्रीति, निशा, सुषमा, देवेश, नीता, विभा, पूनम आदि मौजूद रहीं।

हार-जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण है प्रतिभागी बनना

- ♦ अपनी पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत जरूरी
- ♦ गरिमा के तहत अंतर समूह खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

गोविंदपुर (सोनभद्र): खेल केवल मनोरंजन का माध्यम ही नहीं बल्कि इससे शरीर, मन, मस्तिष्क का विकास और आपसी भाईचारा बढ़ता है। हमें खेल को केवल हार-जीत के नजरिए से नहीं देखना चाहिए। प्रयास जीत का हो पर हार के बाद निराश होने की जगह यह सोचना चाहिए कि मैंने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

उक्त बातें वनवासी सेवा आश्रम की मुखिया शुभा प्रेम ने शुक्रवार की शाम कुसमहा पंचायत भवन परिसर में गरिमा परियोजना द्वारा आयोजित



किशोरी को सम्मानित करते कुसमहा के ग्राम प्रधान ज्वाला प्रसाद। अंतर समूह खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि किशोरियों को निडर होकर आंगन से बाहर निकलने की जरूरत है। ध्यान इस बात का देना है कि हम सामाजिक संस्कार के साथ आगे बढ़ें और कुरीतियों, अंधविश्वास की जंजीर को तोड़ें। ग्राम प्रधान ज्वाला प्रसाद और संदीप मौर्य ने किशोरियों के रहन-सहन व साफ-सफाई पर चर्चा की।

कहा कि नेतृत्वकर्ता के अंदर उत्साह व जुनून के साथ आत्मविश्वास की जरूरत है। इस दौरान म्योरपुर ब्लाक के हरहोरी उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां कबड्डी, खो-खो, मछली पकड़, कितने भाई कितने ऐसे कैसे, दादी मां की खेती आदि खेल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम, द्वितीय आने वाली किशोरी समूह के चैंपियन को सम्मानित किया गया। इस मौके पर गरिमा के प्रबंधक देवनाथ सिंह, सविता, चांदतारा, प्रीति, निशा, सुषमा, देवेश आदि विभा मौजूद रही।



किशोरियां निडर हो निकलें बाहर

भास्कर न्यूज, म्योरपुर।

खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है। इससे शरीर, मन, मस्तिष्क का विकास होता है और भाईचारा बढ़ता है। हमें खेलों को केवल हार जीत के नजरिए से नहीं देखना चाहिए। प्रयास जीत का हो पर हार के बाद निराश होने की जगह यह सोचना चाहिए कि मैंने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। यह बातें बनवासी सेवा आश्रम की मुखिया शुभा प्रेम ने शुक्रवार की शाम कुसमहा पंचायत भवन परिसर में गरिमा परियोजना

द्वारा आयोजित अंतर समूह खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि किशोरियों को निडर होकर आंगन से बाहर निकलने की जरूरत है। ध्यान इस बात का देना है कि हम सामाजिक संस्कार के साथ आगे बढ़ें और कुर्रितियों, अंधविश्वास की जंजीरों को तोड़ें। ग्राम प्रधान ज्वाला प्रसाद और संदीप मौर्या ने किशोरियों के रहन सहन सफाई की चर्चा की और कहा कि नेतृत्वकर्ता के अंदर उत्साह, जूनून के साथ आत्म विश्वास की जरूरत है। म्योरपुर ब्लाक के हरहोरी उच्च प्राथमिक

विद्यालय के प्रांगण में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कबड्डी, खो-खो, मछली पकड़, कितने भाई कितने ऐसे कैसे, दादी मां की खेती आदि खेल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय आने वाली किशोरी समूह के चैंपियन को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर गरिमा के प्रबंधक देवनाथ सिंह, सविता, चांदतारा, रीना, प्रीति, निशा, सुषमा, देवेश, नीता, विभाग, पूनम समेत गांव की महिलाएं गांव के सदस्य और शिक्षक उपस्थित रहे।